जनवरी माह का परिचय

१ जनवरी, २०२१

आत्मीय पाठक,

शुभ, शुभ, *शुभ नववर्ष* २०२१—हर उस सिद्धयोगी को जो अभी यह पत्र पढ़ रहा है और उन सभी को जो सिद्धयोग पथ पर नए हैं, नूतन वर्षाभिनन्दन! जनवरी माह में आपका स्वागत है।

हरेक नववर्ष-दिवस वायदों से छलकता हुआ और नवीन सम्भावनाओं के उपहारों को लिए, हमारी ओर बढ़ता है। सिद्धयोग पथ पर हम ऐसे शक्तिपूर्ण शुभारम्भों का सम्मान करते हैं और उनकी ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित करते हैं।

यह नववर्ष समस्त मानवजाति के लिए जैसा रहा है, वैसा कोई भी नववर्ष नहीं रहा। कई लोग वर्ष २०२० को विदा करने के लिए और वर्ष २०२१ में प्रवेश करने के लिए उत्सुक हैं। वे दिन गिन रहे थे कि कब समय का यह पन्ना पलटेगा—और आख़िरकार वह पलट ही गया। फिर भी वैश्विक महामारी अब भी वैश्विक स्तर पर समस्त मानवजाति को प्रभावित कर रही है और अन्य दुःख व समस्याएँ भी बढ़ रही हैं।

सिद्धयोगी होने के नाते, अपने उद्देश्य के प्रति अधिक जागरूकता के साथ और हम परम सत्य में अवस्थित रहेंगे इस संकल्प के साथ, हम अपनी साधना के प्रति पुनः वचनबद्ध हो सकते हैं, फिर भले ही हमारे आस-पास के संसार में उथल-पुथल हो रही हो।

जब समय का एक नया अंश शुरू होता है तब वह हमें आमन्त्रित करता है कि हम भूतकाल को छोड़कर आगे बढ़े, खुलेपन के साथ वर्तमान में क़दम रखें और आशाओं व उम्मीदों के साथ भविष्य का स्वागत करें। आज के दिन हम पूरी तरह जागरूक हैं, हमारी आँखें ललक और आशापूर्ण उत्साह के संयोग से भरी हैं।

आज सुबह, मन-ही-मन वर्ष के प्रथम अरुणोदय का स्वागत करते हुए, मैं चारों ओर से ढके हुए अपने बरामदे में गई जो फ़्लोरिडा में स्थित है। पक्षियों के कलरव, पास लगे ताड़ के पेड़ों और प्रशान्त शेरवुड झील में उठती तरंगों के साथ मैंने सबकी सुख-शान्ति के लिए प्रार्थना की—सभी लोगों के लिए, धरती के लिए, पशु-पक्षियों के लिए और पृथ्वी के लिए प्रार्थना की। उषःकाल की ताज़ी हवा में, गुरुमाई चिद्विलासानन्द को अपने हृदय में धारण किए हुए, मैंने कुछ देर अपनी आँखों के सामने के दृश्य की सूक्ष्मताओं पर ग़ौर किया और इस नववर्ष पर उठती भावनाओं के बारे में विचार करने लगी।

वहाँ खड़ी रहकर मैं आप सभी के बारे में सोचने लगी कि चाहे आप इस विश्व में जहाँ कहीं भी हों, आप इस पत्र को पढ़ रहे होंगे। आप चाहे जिस भी मौसम या मुहल्ले में रहते हों, आप चाहे जहाँ कहीं भी हों, हम सबके लिए एक बात तो सच है : अब जब हम समय की इस दहलीज़ को पार करके नववर्ष में क़दम रख रहे हैं, गुरुमाई जी का प्रेम व उनकी कृपा हमारे साथ है।

मैं आपको उस एक ऐसे ठोस तरीक़े के बारे में बताती हूँ जिसके माध्यम से मैं इस आशीर्वाद का अनुभव करती हूँ। एक सम्पादिका व लेखिका के रूप में अपना काम करते समय, मैं हर नई परियोजना का आरम्भ करने से पहले गुरुमाई जी की कृपा का आवाहन करती हूँ। उदाहरण के लिए, यह पत्र लिखते समय मैं कल्पना कर रही हूँ कि मैं आप सबके साथ हूँ। मैं मानस-चित्रण कर रही हूँ कि हम सब इस माह में प्रवेश कर रहे हैं, यह जानते हुए कि हर वह व्यक्ति जो इस पत्र को पढ़ेगा वह अपने अनोखे तरीक़े से गुरुमाई जी की कृपा का अनुभव करेगा।

मेरी कामना है कि सिद्धयोग पथ पर एक साधक होने के नाते, जब हम इस नववर्ष २०२१ में आगे बढ़ें तो यह अपने में उज्ज्वल नवीन शुभारम्भों को और साथ ही नई समझ को लिए हुए हो।

महोत्सव और पर्व

और अब हम जनवरी २०२१ में आने वाले कुछ महत्त्वपूर्ण दिनों के बारे में जानें। इनमें से हरेक पर्व हमारे लिए वह सुअवसर है जब हम वर्तमान क्षण में पुनः प्रवेश कर सकते हैं, दिव्य सद्गुणों को पहचान सकते हैं और उनका अभ्यास कर सकते हैं। जनवरी माह के तीनों पर्व हमें अनूठे अवसर प्रदान करते हैं जब हम नवीन आरम्भों के इन नूतन दिनों में अपने आध्यात्मिक अभ्यासों पर और सिद्धयोग पथ के उद्गम व सिखावनियों पर केन्द्रण कर सकते हैं।

- ७ जनवरी को आश्रम की दिनचर्या के एक भाग के रूप में श्रीगुरुगीता-पाठ को शामिल किए जाने की उनचासवीं वर्षगाँठ है। 'सिद्धयोग पथ पर श्रीगुरुगीता का महत्त्व,' इस लेख में स्वामी शान्तानन्द इस पावन स्तोत्र का इतिहास व इसका पाठ करने की शक्ति के बारे में विस्तार से बताते हैं।
- १४ जनवरी को हम मकर संक्रान्ति का उत्सव मनाएँगे। भारतीय परम्परा के अनुसार इस दिन उत्तरायण आरम्भ होता है [उत्तरी दिशा में सूर्य की छः माह की यात्रा] और उत्तरी गोलार्ध में सूर्य का प्रकाश बढ़ता जाता है। इस पर्व पर हम सूर्यदेव की आराधना करते हैं जो हर दिन तेजस्विता से जगमगाते हैं और साथ ही आसमान में अपनी तूलिका से मनमोहक रंग बिखेरते हैं।

- २६ जनवरी को भारत का गणतन्त्र दिवस मनाया जाता है—वह दिन जब इस देश ने नया संविधान अपनाया था और एक लोकतन्त्र की संस्थापना की थी। हम भारत की महानता का उत्सव मनाते हैं जिसकी उदारता, समृद्ध परम्परा व ज्ञान के भण्डार ने विश्व को और विशेषकर सिद्धयोग पथ पर हम सभी को कितना कुछ दिया है। गणतन्त्र दिवस उन महान मूल्यों और उस भाव का सम्मान करने का दिन है जो देश के ध्वज द्वारा दर्शाया गया है।

एक बार फिर, मेरी ओर से शुभकामनाएँ कि नववर्ष २०२१ आप सभी के लिए सुखपूर्ण, सुरक्षित और सन्तोषप्रद हो!

आदर सहित,
सिन्धु पोर्टर

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।